झारखंड समेत कई राज्यों में हीटवेव का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत मौसम विज्ञान विभाग** ने अगले दो-तीन दिनों में कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ हिस्सों में **लू/हीटवेव चलने** का पूर्वानुमान किया है।

मुख्य बिंदु:

- मौसम विभाग ने **अप्रैल-जून 2024 के दौरान** देश के अधिकांश क्षेत्रों में **शुष्क गर्मी** का पूर्वानुमान किया है।
  - इस अवधि के दौरान 10 से 20 दिनों तक चलने वाली हीटवेव की उच्च संभावना है।
- अप्रैल के दौरान **प्री-मानसून वर्षा** का प्रदर्शन मुख्य रूप से **तटीय भारत, पूर्वी और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत** में औसत से नीचे रहेगा।
  - वर्षा का पूर्वानुमान बताता है कि फरवरी 2024 से इन क्षेत्रों में शुष्क मौसम जारी रहेगा।
  - वर्ष 2024 की गर्मी के मौसम में शुष्कता और जल की कमी बढ़ जाएगी।

हीटवेव:

- हीटवेव, **चरम गर्म मौसम की लंबी अवधि होती** है जो **मानव स्वास्थ्य**, **पर्यावरण** और **अर्थव्यवस्था** पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
- भारत एक उष्णकटिबंधीय देश होने के कारण विशेष रूप से हीटवेव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जो **हाल के वर्षों में लगातार और अधिक तीव्र** हो गई है
- **भारत में हीटवेव घोषित करने के लिये भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मानदंड:**
  - **यदि किसी स्थान का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम-से-कम 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक एवं पहाड़ी क्षेत्रों में कम-से-कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुँच जाता है तो इसे हीटवेव की स्थिति माना जाता है।**
  - **यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से अधिक है, तो सामान्य तापमान से 4°C से 5°C की वृद्धि को लू** की स्थिति माना जाता है
  - यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान **40°C से कम या उसके बराबर है,** तो सामान्य तापमान से **5°C से 6°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति** माना जाता है।
  - इसके अलावा **7 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि को गंभीर हीटवेव की स्थिति** माना जाता है।
  - यदि **किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से अधिक है,** तो सामान्य तापमान से **4°C से 5°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति माना जाता है।** इसके अलावा **6 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि को गंभीर हीटवेव** की स्थिति माना जाता है।
  - इसके **अतिरिक्त यदि सामान्य अधिकतम तापमान के बावजूद वास्तविक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहता है, तो हीटवेव घोषित किया जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/heatwave-in-states-including-jharkhand